विभूति

विभूति

(प्रेरणादायक मैथिली भाषा-साहित्य पुस्तिका)

लालदेव कामत

पल्लवी प्रकाशन

बेरमा/निर्मली

ISBN : 978-93-88811-51-4
दाम : 50/- (भा. रू.)
सर्वाधिकार © श्री लालदेव कामत
पहिल संस्करण : 2020

प्रकाशक : पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं. 06, निर्मली,
जिला- सुपौल, बिहार : 847452

वेबसाइट : http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल : pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल : 62000635563, 9931654742

प्रिन्ट : मानव आर्ट, निर्मली (सुपौल)
आवरण : श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल) बिहार : 847452

VIBHRITI (विभृति)
A Collection of inspiration/Mothivational by Shri. Laldeo Kamat

ऐ पोथीक सर्वाधिकार सुरक्षित अछि। काँपीराइट धारकक लिखित अनुमतिक बिना पोथीक कोनो अंशक छाया प्रति एवं रिकॉडिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक अथवा यांत्रिक, कोनो माध्यमसँ अथवा ज्ञानक संग्रहण वा पुनर्प्रयोगक प्रणाली द्वारा कोनो रूपमे पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहि कएल जा सकैत अछि।

समर्पण

ई पोथी मिथिलांचल केर उर्जावान नव पीढ़ीकेँ समर्पित अछि; जे निम्नांकित नारा लगबैत जागरूकता बढ़ेबामे सदैव लागल रहैत अछि :-

जय जवान! जय किसान!!

जय सहकार! जय विज्ञान!!

समाज छैथ आराध्य हमर! सेवा थिक आराधना!

भारत माताक भैभवहित! सहकारिताक साधना!!

जनतासँ अछि विश्वासक नाता! सहकारी संस्थामे अपन खाता!!

नव सदिक ई विश्वास! सहकारितासँ होएत विकास!!

निगरानी निरन्तर! भ्रष्टाचार छूमन्तर!!

जन-जन केर अछि अवाज! सहकार भारती जिन्दावाद!!

जय सहकार, जय सहकार! अर्थनीतिक हुअए आधार!!

बचत सादगी सबहक विचार! सहकारिताक ई आधार!!

सबहक लेल एक आ सभ एकक ले!

सहकारिता आवश्यक अछि हर एकक लेल!!

बिनु संस्कार नहि सहकार! बिनु सरकार नहि उद्धार!!

सहकारिता जखने साथ! किनको नहि फिकर कोनो बात!!

जन-जनक हुअए लाभक बात! जुटू सभकियो सहकारक साथ!!

अनुक्रम

संदेश/09

दू शब्द/10

दुष्प्रचारसँ बँचू/11

फुलकोबीक अचार बनाउ/16

गाए गोंतसँ बनाउ फिनाइल आ हड़रचूर्ण/23

को-ऑपरेटीवक विकास/25

प्रेरणा स्त्रोत व्यक्तित्व: पं. दीनदयाल उपाध्याय/29

प्रेरणा श्रोत व्यक्तित्व: डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी/32

आधुनिक किसान धरती माइक सेवा करू/36

वंशावली/40

संदेश

सहकारसँ स्वाबलम्बन आ समाज परिवर्त्तन कए कऽ स्वर्णिम भारतक निर्माण कार्यमे लागल पेक्स सदस्यगण आ पदाधिकारीगणमे दक्षता विकास लेल ई अनुपम लघुकृति कारगर होएत। आइ समाजक अधिकांश वर्ग शैक्षिक आ आर्थिक असफलताक कारणेँ हतोत्साहित छइ। संवर्धन परमावश्यक छइ। बिहार सहकार भारती 1979 सँ ऐ दिशामे काज करैत गृह लघु आ कुटीर सुक्ष्म उद्योगकेँ आगू बढ़ेबामे लागल अछि। जखन आजुक युगमे विश्व एकटा बजारक रूपमे देखल जाइछ, तँए एहि प्रतिस्पर्धाक दौड़मे आर्थिक रूपे कमजोर समाज आरो पछुआइत चलि जा रहल अछि, तँए कहबाक होएत जे सहकारिताक विभिन्न आयामकेँ माध्यम बनाए आर्थिक आजादी दिस तीव्र गतिये बढ़ू। एकटा सर्वेक्षण मोताबिक देशक जनसंख्याक मात्र 20 प्रतिशत आवादी ऐसँ जुड़ि कए अपन सक्षमता देखेलैन अछि। उद्यमिताक दिशामे पिछड़ल, अधिक पिछड़ल, वंचित आदिवासी, श्रमिक आओर सामान्यजन विकासित व समर्थशाली मिथिलामे अपन समृद्धि रेखांकित कए सकए।

ऐ पोथीक संकलकर्त्ता श्री लालदेव कामत उद्यमशील लोकक हितैषी, युवा आ बेरोजगारक नाड़ीकेँ चिन्ह-पहचिन्ह करएबला कर्मठ एवम् मृदुभाषी प्रौढ़ बेकती छैथ; हिनक प्रयास रंग आनत।

पं. दीनदयाल उपाध्यायजीक 2017 सँ जन्मशताब्दी-महा सम्पर्क अभियानमे हम लागले छी, पैघ बात जे प्रेरणादायक जीवनी डॉ. मुखर्जीक शामिल कएलासँ नव सदस्यगणकेँ ज्ञान बढ़त से आश रखै छी।

पुनश्च अनन्त शुभकामनाक संग..!

अपनेक बन्धु
सीयाराम साह

जिलाध्यक्ष, भाजपा झंझारपुर, मो. 8969003539

दू शब्द

वर्ण आ शब्दक क्रिड़ा रूपमे प्रस्तुत प्रेरणा मैथिली पुस्तिका 'विभूती' मे पाठक वर्ग पढ़ि अपन समान्य जनतव्यकेँ आरो आगू बढ़ा सकै छी। इस्वी 2020 नव वर्षमे पैक्स चुनावमे भाग लेनिहार सहकारिता सदस्यगण सभ लेल ई साल विशेष यशस्वी हुअए। संगहि नव-पुरान जनतबसँ भरल रही, तइले ई छोट-छीन स्तरपर संकलनकर्त्ता श्रीयुत् लालदेव कामतजीक प्रयास सराहनीय अछि। हिनक बहुत पहिलो साहित्य जागरण लेल लघु पत्रिका 'एशिया-मैत्री' आ संगीतक फोल्डर प्रकाशित भऽ चुकल रहैन, जे सुधी पाठक अखनो धरि सुरक्षित रखने हेता। पैछला साल छोट-मोट कोसीबेल्टक गाँधी रूपे श्री कामतजीक मादे समाजसेवी मो. इक्रामूल हक बाजल रहैथ। स्वच्छता-यात्रा पुस्तिका बादमे सेहो प्रकाशित कराए जन-जनमे उपलब्ध करेबामे आगू एला। एहेन छोट-मोट पुस्तिकासँ साहित्य सेवी जनमे किछु खुराक भेट जाइछ जइसँ स्वत:फूर्त अभियान चलैत डगरपर देखाइछ; तँए ऐ योगदानकेँ सदा मोन राखल जाइत रहत से हमरा बिसवास भऽ गेल अछि।

सन् उन्नीस साए नब्बे केर दशकमे लालदेव बाबूक हस्तलिखित फोल्डर पत्रिका अनियमितकालीन रूपे बहराइत रहइ, जेकर फोटो स्टेट प्रति आठअना; एकटकामे भेटैत छल। आबो धरि हिनक पैघ पोथी प्रकाश्य (यन्त्रनायल) कृति अछि, देखा चाही आखिर कहिया धरि पाठकक सोझाँ 'दिव्य दृष्टि' छपि कऽ अबै छैन। धन्यवादक संग

-रमा नन्दन आर्य

नेटाल (डरबन) साउथ अफ्रिका

दुष्प्रचारसँ बँचू

आब नागरिकता संशोधन कानूनक तथ्यकेँ नीक जकाँ बुझबाक बेगरता अछि। स्वयंकेँ दिग्भ्रमित आ निरर्थक सूचनाक शिकार होइसँ परहेज राखू। देशमे किछु टुकड़ा-टुकड़ा गिरोह अफवाह, प्रोपगेण्डा आ दुष्प्रचारकेँ हथियार बना निरक्षर आ कम साक्षर जनतामे सी.ए.ए. आ एन.आर.सी.क मादे जहर उगलैत अछि। तँए अभिष्ट अछि जे अपने सभ ऐ तथ्यक मादे फराक-फराक जनतब ग्रहण कए अपना परिवेशक लोकमे साँच जानकारी प्रसारित करियौक। अहाँकेँ बुझल अछि सी.ए.ए. अलग कानून छिऐ, आओर एन.आर.सी. एकटा अलग प्रक्रिया छी। सी.ए.ए. संसदसँ पारीत भेलासँ सम्पूर्ण भारतमे लागू भऽ गेलइ। जखन कि देशक लेल एन.आर.सी.क नियम आ प्रक्रिया तय होएबाक काज अखन बाँकी छइ। असाम राज्यमे जे एन.आर.सी.क प्रक्रिया चलि रहल अछि से माननीय सर्वोच्च न्यायालयक आदेश आ असम समझौताक तहत कएल गेल अछि।

भारतीय मुसलमान आ कोनो धर्म-मजहबकेँ माननिहार भारतीय नागरिककेँ सी.ए.ए. वा एन.आर.सी. सँ परेशान हेबाक कोनो जरूरत नहि। एन.आर.सी. केर लेना-देना कोनो धर्म-मजहबसँ नहि अछि, ई भारतक समस्त नागरिकक लेल अछि। ऐ मे देशक सभ नागरिकक नाम दर्ज करेबाक होएत; तँए ई मात्र मुस्लिमे टा लेल नहि छी। एन.आर.सी. कोनो धर्मक बारेमे विशेष रूपसँ किछु नहि करत। जानकार लोक बुझि रहल छैथ जे राष्ट्रीय स्तरपर एन.आर.सी. तरहक

कोनो नव औपचारिक पहल शुरू तँ नहियेँ भेल हेन। सरकार सेहो कोनो अधिकारिक घोषणा नहि कएल आ ने तइ खातिर कोनो नियम बनल। जँ कदाचित भविष्यमे लागू कएल जाएत तँ भारतीय हेबाक प्रमाण मात्रे मांगल जा सकैत अछि। एन.आर.सी. केँ अपने एक तरहेँ आधार कार्ड वा कोनो दोसर तरहक पहचान-पत्र जकाँ प्रक्रिया समैझ सकै छी। आधार कार्ड अथवा मतदाता पहिचान-पत्र बनेबामे जेना एकटा कोनो सबुत दइ छी; तहिना नागरिकता रजिष्टरमे अपन नाओं दर्ज करेबामे अपन पहचान-पत्र वा दस्तावेज कोनो तरहक देबाक होएत। नागरिकताक लेल किछु आरो जानि लिअ। नागरिकता केना देल जाइछ- नागरिकताक नियम 2009 ई.क तहत कोनो बेकतीक नागरिकता तय कएल जाएत, से नियम नागरिकता कानून 1955 ई.क आधारपर बनल छइ। ई नियम तँ सार्वजनिकरूपेँ सबहक समक्षे अछि। कोनो बेकतीक लेल भारत केर नागरिक बनक 5 तरीका छइ। यथा- जन्मक आधारपर नागरिकता, वंशक आधारपर नागरिकता, पंजीकरणक आधारपर, देशीयकरणक आधारपर आ भूमि विस्तारक आधारपर नागरिकता।

जखन कहियो एन.आर.सी. लागू होएत तँ अपना माए-बाबूक नहि वरन् स्वयं केर जन्मक तारीख, माह, साल आ स्थानक विवरण देनाइ प्रर्याप्त होएत। जँ अपनेक जन्मक विवरण अनुपलब्ध अछि तखने माए-बाबूक बारेमे विवरण उपलब्ध करेबाक होएत। परंच सभ तरहक दस्तावेज देल जाए अथबा जुटाबैथ से अनिवार्यता नहि रहत। आ से अखन धरि ऐ बाबत सेहो निर्णय हेबाक काज शेष अछि। तइ लेल भोँटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, बीमा कागजात, जन्म प्रमाण-पत्र, जमीन अथबा घरक कागजात वा फेर सरकारी अधिकारी द्वारा जारी किछु एहने आन दस्तावेज जड़मिझर करबाक सम्भावना

छइ। मतदान करैतकाल विकल्प रूपेँ जेना बहुत क्रम दर्शाएल रहैत छै, तहिना तँ ओहूसँ फाजील विकल्प देल रहतै, जइसँ कोनो टा नागरिककेँ अनावश्यक परेशानी नहि उठबए पड़ैक। प्रतिपक्षी समूहसँ एकटा प्रश्न अबै छै जे 1971 ई.सँ पहिलुका वंशावली एन.आर.सी. मे साबित करए पड़तै? तेकर उत्तरमे कहब होइछ जे एना नहि छइ। मात्रे असम समझौता आ सर्वोच्च न्यायालयक निर्देशपर रहैक जे देशक बाँकी हिस्सामे एन.आर.सीक प्रक्रिया एकदम पृथक छइ। पूर्वोत्तरकेँ असम राज्यमे घुसपैठ केर समस्या बड़ दिनसँ जकड़ल रहइ, तँए ओतए 19 लाख लोक एन.आर.सी.सँ बाहर भऽ गेलइ। तइले ओम्हर 6 साल धरि आन्दोलन चललइ। ऐ घुसपैठीक कारणेँ पूर्ववर्त्ती राजीव गाँधी सरकार 1985 मे एकटा समझौता केने रहइ। तइ लेल 25 मार्च 1971 ई.क कट ऑफ डेट मानल गेलै जे एन.आर.सी.क आधार भेलइ। एन.आर.सी.क लेल सरकार कोनो पुरान जमानाक कागत नहि माँगत जे अहाँ जुटाइये नहि पएब। राष्ट्रीय स्तरपर एन.आर.सी. केर घोषणा होइत देरी सरकार एहेन नियम आ निर्देश आनत जइसँ केकरो कोनो तरहक हरानी नै हुअए। जँ राजग सरकार किनको दिक्कत नहि पहुँचा सकैत अछि। जँ कियो पढ़ल-लिखल नहि होथि वा सम्बन्धित कागजात नहि उपरा कए सकत तँ ओइ बेकतीकेँ अपन पड़ोससँ गवाह आनि समान्य सूचना-पत्रकेँ अनुमति देबा लेल कहि सकै छैथ। तँए उचित प्रक्रिया पालनमे कोनो तरहक भांगठ नै रहतै। यौ कोनो भारतीय नागरिककेँ अनुचित परेशानीमे नहि धकेलल जाएत से फरिच्छ रूपेँ गछै छी।

एन.आर.सी केर हौआ ठाढ़ कए जे कियो ट्रांसजेन्डर, नास्तिक, आदिवासी, दलित, महिला आ भूमिहीन लोकक बीच भ्रमक भूत पैदा करए चाहै छै से ईहो जानि लेथि जे पैघ संख्यामे एहेन लोक अछि

जिनका लग घर अपन नहि छै, ओ गरीबीमे रहैत पढ़ल-लिखल नहि छैथ, आ हुनका संगमे पहचान छैन, जइसँ मतदान धरि करैत आएल अछि, तिनका लोक कल्याणकारी योजनाक लाभ भेटैत रहतै आ ओ तइ पहचान-पत्रक आधारपर आदर्श नागरिकक मौलिक अधिकार प्राप्त करैत रहत। तँए विरोधी हवा स्वत: हवाई भऽ कऽ रहि जाएत।

नागरिकता संशोधन कानूनक सहायतासँ पाकिस्तान, अफगानिस्तान आ बांग्लादेशमे धार्मिक उत्पीड़नक कारणेँ ओतए-सँ विस्थापित हिन्दू, सिख, जैन, वौद्ध, पारसी आ इसाई धर्मक लोककेँ भारतमे नागरिकता देल जाएत। पाकिस्तान, अफगानिस्तान आ बांग्लादेश संवैधानिक रूपेँ मुश्लिम देश थीक, तँए ओतए धरम मजहब केर नामपर मुसलमान उत्पीड़ित नहि होइत छै, तेकरा एक्टमे कथी लेल शामिल कएल जाएत? एतए किनकोसँ भेदभाव नहि रखैत आब पाकिस्तान, अफगानिस्तान आ बांग्लादेश (पहिले पूर्वी पाकिस्तान) केँ हिन्दू, सिख, जैन, वौद्ध, पारसी आओर इसाई धर्मक लोक जे 31 दिसम्बर 2014 धरिकेँ निर्णायक तारिख तक भारतमे आबि गेल ओ सभकियो भारतक नागरिकताक पात्र होएत। एतए नागरिकता देबाक बात होइछ, लेबाक नहि। फुसिये विपक्षक लोक दुष्प्रचार कए सरकारी सम्पैतकेँ नोकसान पहुँचेबाक काज कएल आ दंगा भड़केबाक चेष्टा करैत रहल। केकरो अनर्गल बहकावमे जुनि जाऊ। वैध यात्रा दस्तावेजकेँ बिनु भारत सीमामे प्रवेश करैबला घुसपैठिये भऽ जाऊ सावधान। वैध पासपोर्टकेँ स्वीकृत अवधिसँ फाजिल समय धरि रहि कुत्सित राजनीति करएबला अहाँ भारतमे बँचा नहि पाएब। संवैधानिक रूपेँ सभ राज्यक मा. मुख्यमंत्री सेहो सचेत रहय।

अस्तु, विनम्र निवेदन रहत जे अपना स्वार्थ साधयबला केर

बहकाऊमे नहि पड़ि खुदे समझू-बुझू आ ई पुस्तिका (मैथिली) पढ़ि कए उपरोक्त ममिलापर अन्तर-आत्माक पुकार आ विवेकसँ अपन राय बनाऊ।

अन्तमे सहकारिता संस्थासँ जुड़ल सभ बन्धुक बीच किछु प्रशिक्षण मैटर दैत आगू बढ़वाक शुभेच्छा करै छी। 2020 नूतन वर्ष अपने, अपनेक परिवार आ मित्र लेल यशस्वी होअए; अही मंगलकामनाक संग-

अपनेक कनिष्ट सेवक-

लालदेव कामत (समाजसेवी)

7 जनवरी 2020

नौआबाखर

(टिप. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजीकेँ हैस टैग इंडिया सपोटकेँ समर्थन अहीले जे सी.ए.ए. तँ सताएल गेल शारणार्थीकेँ देबाले छै, नइ कि लेबाक लेल, कट्टरपंथीक झांसासँ बँचू।)

फुलकोबीक अचार बनाउ

वागबानी, गृहवाटिका आ तरकारी खेतीसँ जुड़ल कृषक आ किन कए फुलकोबी खाइबला किसान सेहो फुलकोबीक सुखौंटी बना कए सालभरि उपयोग करैत देखमे अबैत अछि। तरकारीक फुलगोबी अर्थात् फुलकोबीसँ चहटगर अचार बनाउ आ आगन्तुक पाहुनकेँ परोसू। जायकेदार कोनो अचारक बनसबत् कोबीसँ अचार बनौनाइ सहज आ सुलभ अछि। टटका गसल फुलकोबी एक किलो लऽ कऽ धोइ लिअ, टुकड़ी-टुकड़ी काटि एक-दू घन्टा धरि रौदमे सुखा दियौ। काटल आदिक टुकड़ी 30 ग्राम, पियाउज काटल 30 ग्राम आ लसुन 5 ग्राम (थोड़बेक) सँ, सेरसों तेल 200 ग्राम, लाल कड़क होइ धरि भूजि लेल जाउ। आब ओइमे पिसल मशाला यथा- हरदि 10 ग्राम, करिया मरीच 5 ग्राम, लाँग 1 ग्राम, राइ 25 ग्राम, दालचिनि 5 ग्राम आ कोबीक सभटा टुकड़ीकेँ दैत नीक जकाँ फेंट दियौ। जँ कोबी अलसाए जाइ तँ मशालाकेँ आँच परसँ उतारि कए सराए लिअ। गुड़ 100 ग्राम आ तेतैरकेँ घोरि छानि लिअ तेकरा अचारमे मिलाबट करि लिअ। आब मोहना वा कौरनामे दाबि-दाबि कऽ भरि दियौ। ओइ पकल माटिक बासनकेँ 5-6 दिन धरि रौदामे निकालैत रहू। बनल समानकेँ तेल आ सिरका फेंट कए फेर 3-4 दिन धरि रौद गर पर राखू। आब 15 दिनक बाद खाइ-जोकरक तैयार भऽ गेल। घरमे जखन हड़बरीमे तीमन-चटनी नहि बनल रहत तँ ऐ अचारसँ काज चलाउ। ❑

(नोट- लेखकक फुलकोबी आ पत्ताकोबीक व्यवसायिक खेतीपर पैघ आलेख कोसी-सन्देश- ISSN 2395-2253 अंक 9 मे प्रकाशित भऽ चुकल छैन।)

(2) आम फल आ मोजरसँ बनाउ जैम-जैली आ बिनु तेलक अचार-कसौनी, मोरब्बा

जैम बनेबा लेल उपयुक्त फलमे आम, अन्नारस, सेब, केरा, नाशपाति, आड़ू, अनरलेबा, धात्रिंग, लताम आदि अबैछ। तरकारीमे गाजर आ टमाटर सेहो छइ। जइ फलमे पेक्टिन कम पाएल जाइछ, तइमे व्यवसायिक पेक्टिन चूर्ण 5-10 ग्राम प्रति किलो फेंट कए जाइम बना सकै छी। एतए हम सभ फलक राजा आमक चर्चा करब जे मिथिला क्षेत्रमे सर्वत्र उपलब्ध अछि।

फलक चयन- जैम बनेबा लेल परिपक्व अवस्थाक पाकल फल जरूरी होएत। बेसी पाकल फलक प्रयोग नहि करब जे गुलगुलाए गेल होइ। अत्यधिक पाकल फलमे पेक्टिन अम्ल बदैल जाइछ। जाइम बनेबाकाल दागी आ कुतरलहा फल एकदम छाँटि कऽ कात कए निकालि लिअ। फलकेँ नीक जकाँ धोइ लिअ आ तेकर छोइलका सोहि दियौ। जे फल टोबैमे करगर होइ तँ कद्दूकस कए कऽ छोट-छीन टुकड़ी आकारमे काटि लेल जाउ। फलकेँ पकेबाक लेल टुकड़ी वा गुद्दाकेँ स्टीलक वा एलमुनियमक कठौतमे लगधक एक चौथाइ भाग जलक संग पका लिअ आ टुकड़ी-टुकड़ी जे गलैमे पूर्ण नहि भेल तँ रेहीसँ वा काठक चमचसँ कुइच-काइच असानीसँ मिला लिअ। आब ओइ गुद्दामे शुद्ध जल फेंट कए खटगर आम एक किलोमे एक किलो चीनी तथा मिठगर आममे तीन पौआ करीब मिला कए फेर पकाउ। करछुलसँ वा छोलनीसँ चलबैत रहू। जइसँ पेनीमे नहि भगौना वा कठौटमे बैस जाए। पकेलाक बाद एक किलो चीनीपर 4-6 ग्राम खट्टा (साइट्रिक एसिड) मिलाउ। जँ ई अम्ल उपलब्ध नइ होअए तँ नेबोक रससँ काज चलाउ। जैमकेँ तेज आँचपर चुल्हिपर चढ़ाउ जइसँ झट

दए तैयार भऽ जाएत। बेसीकाल आँच दैत रहलासँ गमक उड़ि जाएत से ध्यान राखब। जरए नहि तइले नम्हर चमचसँ कराहमे चलबैत रहू। जखन तार सन लस्सेदार भऽ जाए तँ गाढ़ा चासनी आगिपर सँ उतारि लिअ। जैम तैयार भेलाक बाद जलमे कुसुम रंग धोइर जैम मिला कए शुद्ध बोतल, वासनमे सुसुमे गरम भरि लिअ। जखन ठंढा भऽ जाएत तँ मुन्ना बन्द करैत सुरक्षित स्थानमे ओरिया कए राखि लिअ। पाहुन-परककेँ स्वागत लेल आ व्यवसाय विपनण लेल तैयार भऽ गेल।

जेली-

फलक पेक्टिनयुक्त रसकेँ चीनी आ खटास (साइट्रिक एसिड) नीबूक रसक संग पकाएल गेल पदार्थकेँ जेली कहल जाइछ। सरेलापर दही जकाँ जमि जाइत अछि। नीक जैलीमे ओ गुण भऽ जाइछ जे देखबामे पारदर्शक, जइ बासनमे पौरल जाएत तेहेने अकार ग्रहण केने होइ, रसमे स्वाद भरल होइ, जइ शिशी-बोतलमे देल गेल होइ तेकरा पलटलासँ बहए नहि आ छुलापर अंगुरीमे लागल-भिरल नहि पाबए। जेली बनेबाक लेल पेक्टिन अम्ल, शर्करा आ स्वच्छ जल अनिवार्य अछि। एकर अनुपात निम्न तरहेँ अछि-

पेक्किन- 0.8 सँ 1 प्रतिशत (औसत- 1.0 प्रतिशत)

खटास- (अम्लता) 0.75 प्रतिशत (औसत- 1.0 प्रतिशत)

चीनी- 65 सँ 68 प्रतिशत (औसत- 67.5 प्रतिशत)

पानि- 33 सँ 38 प्रतिशत (औसत- 30.5 प्रतिशत)

जैली गठनक दृढ़ताक कारण अम्लता आ शर्करा थीक। अम्लताक पी.एच. सँ सेहो जानि सकै छी। जैली हेतु उपयुक्त पी.एच मान 3.2 छै; तइसँ कम भेलापर सकता जाएत आ बेसी भेलापर जमबे नइ करत। नीक जैलीमे 67.5 प्रतिशत शर्करा हेबाक चाही। ऐ

सँ कम भेलापर (64प्रतिशत) कमजोर बनत आ अधिक भेलापर (71 प्रतिशत) ऐ मे क्रिस्टल बनि जाएत। जैली गठनकेँ स्थायित्व लेल पेक्टिन चाही। पेक्टिनक किसिम अनुसारे 0.5 सँ 1.5 प्रतिशत धरि चाही; ओना, 1.0 प्रतिशत पेक्टिन नीक होइ छै। एकरे महौत ऐमे होइ छै। ऐ सँ फलक कोशिकाकेँ पकाइल जाइ छै। आ से सभ फलमे अगबे रहै छइ। कचका फलमे सेहो ई प्रोटो पेक्टिनक रूपमे पएल जाइ छइ। तइसँ जेली बनबा जोकर नहि होइ छइ। फल पकेबा काल एन्जाइमसँ ई पेक्टिनमे रूपान्तरित स्वत: भऽ जाइ छइ। जे आगू चलि कऽ पकलापर पेक्टिन अपघटित भए मिथाइल अल्कोहल आ अघुलनशील पेक्टिन अम्लमे बदैल जाइत अछि। तँए ने बेसी काँच आ ने बेसी घुलल पकल आम चाही, किएक तँ नीक जकाँ नहि जमत आ पारदर्शी नहि बनि धोइन बनि जाएत। एक किलो फलमे मात्र एक या सबा किलो जल फेंट कए आधा घन्टा कम आँचपर धुआ रहित चुल्हिपर चढ़ाउ। स्वच्छ सुती वस्त्रसँ छानि लिअ। जइसँ गुद्दा वा रेसा नहि आबए।

रसमे केतेक पेक्टिन अछि तेकर जाँच लेल जेली मिटरसँ देख ली। तापमान जेकर घुलनशील ठोस 65 प्रतिशत घोल होइ तँ समान्यत: 105 डिग्री सेल्सियसपर औंटल जाएत। जैलीक ऐ तापपर रखलासँ स्वत: अहीक ठोस सान्द्रण 65 प्रतिशत भऽ जाइछ। सामान्यत: जलक क्वथनांक सँ शुशुम तापमान 3 सँ 5 डिग्री सेल्सियस बेसीसँ बेसी रहए, तेकरा नापैले जैली तापमापी यन्त्र (थर्मामीटर) केर उपयोग कएल जा सकैछ। ओना, अन्दाजसँ जखन कनी-कनीटा बुलबुला उगए लगत आ रंग भूरा हुअ लगत तँ बुझू जे जैली तैयार भऽ गेल।

<u>आमक अँचार (बिनु तेलक लेल सामग्री) –</u>

आमक फाँक कएल 1 किग्रा.

नून 200 ग्राम, सौंफ 20 ग्राम

मेथी 100 ग्राम, हींग 2 ग्राम

हरैद (हरदी) 50 ग्राम, कलौजी 30 ग्राम

लाल मिरचाइ 30 ग्राम, मरीच 10 ग्राम

<u>आमक मीठगर अँचार लेल समग्री-</u>

आमक फाँक कएल- 1 किलो

बड़की इलाइची- 10 ग्राम

नून- 120 ग्राम, लौंग 2 ग्राम, सोंइठ- 10 ग्राम, जीर- 10 ग्राम, ललका मिरचाइक बुकनी- 15 ग्राम, सौंफ 30 ग्राम, करिया मरीच- 10 ग्राम, गुड़ वा चीनी- 750 ग्राम, धनियाँ- 20 ग्राम।

<u>तेलमे आमक अँचार ले सामग्री-</u>

आमक 4 फाँक कएल- 1 किलो

नून 150 ग्राम, मेथी 50 ग्राम, हरदी- 15 ग्राम, कलौंजी- 20 ग्राम, जीर- 10 ग्राम, ललका सुखल मिरचाइ- 5 सँ 10 ग्राम, मरीच- 10 ग्राम, हींग- 2 ग्राम, सौंफ- 10 ग्राम, करू तेल (सेरसो तेल) 300 ग्राम।

उपरोक्त सभ तरहक अँचार निम्न विधि अपना कए बनाएल जाइत अछि। विकसित आम (चौराएल) चुनि कए धोइ लिअ, तेकरा चारि फाँकमे काटि लअ, कोयली (आँठी) बाहर कए फेंक दियौ। फाड़ाकेँ नीक जकाँ नून लगा कए गेलैनमे धऽ दियौ आ हल्लुक वस्त्रसँ

मुँह बान्हि देल करू, तेकरा रौदमे सभ दिन राखू। कहियो काल फाँककेँ दाबिसँ चलबैत रहू। 4-5 दिन रौद लगेलापर कपड़ा ओछा रौदमे पसारि दियौ, एक-दू घन्टा रौद लगा कए नूनगर पानि हटा लिअ। मेथी, कलौंजी आ सोंफकेँ मोटगर दोखैर कऽ पीसल आ आन मशाला खूब पीसल रहक चाही। कनेक तेल आ नूनगर पानि कमे मिलाकए सभ फाँकमे भरू। मशाला भरल फाड़ाकेँ गैलैन वा मोहना-तौलामे दाबि कए सैंत लिअ जइसँ ओइमे हवाक बुलबुला धरि नहि जा सकए। बाँचल नूनगर जल आ तेल सानल मशाला आ तेल अँचारक ऊपरसँ ढारि कए डुमेने रहू आ 15-20 दिनक पछाइत चहटगर अँचार खाउ।

बिहाड़िमे खसल टिकुला आ आम आ कलम गाछीक गिरल-पड़ल टिकुलाक कसौनी; आमक लच्छासँ बनाउ अँचार-

आवश्यक सामग्री-

एक किलो आमक लच्छामे नून 250 ग्राम, मेथी- 50 ग्राम, पीयर सेरसोक बुकनी 100 ग्राम, लाल सुखल मिरचाइक बुकनी- 15 ग्राम, हींग- 3 ग्राम, गुड़- 400 ग्राम, करूतेल- 100 ग्राम मिला लिअ आ कदूकश कएल आमक लक्षा बना कए अँचार (बनेबाक उपरोक्त विधिसँ मशाला आ गुड़क चूर्ण कने फेंट कए नीक तरहक लक्षा अँचार (कसौनी) चीखू आ आँगुर धरि चाटैत रहि जाएब।

<u>आमक चटनी-</u>

एक किलो आमक टुकड़ी, एक किलो चीनी, 40 ग्राम नून, 5 ग्राम जीर, 5 ग्राम लाल मिरचाइयक बुकनी, मरीचक चूर्ण 5 ग्राम, बड़की इलाइची- 10 ग्राम, दालचिनी- 10 ग्राम, पियाउज- 25 ग्राम, आ आदी 10 ग्राम, लहसुन- 5 ग्राम, 3 चम्मछ एसिटिक एसिड,

सोहल आमसँ आँठी निकालि हटा लिअ आ तेकर बाद आमक फाँककेँ छोट-छोट टुकड़ी काटि लअ। 250 मि.ली. जल मिला कए एकटा अलुमिनियाँ कठौतमे पकाउ। तइमे पियाउज-लहसुन आ आदीकेँ टुकड़ी-टुकड़ी काटि मिला दियौ। जखन टुकड़ी गलि जाए तँ स्टीलक चम्मछसँ कुचि कए लुगदिसना बनाउ। तइमे चीनी फेंट कए फेर पकाउ। कनीकालक बाद खूब मेहीसँ पीसल सभटा मशाला धऽ दियौ। चम्मछसँ ताधैर चलबैत रहू जाधैर भगोना (कठौतक) पेनीमे नहि लगए। जखन पकैत-पकैत जमि कऽ तरह गभगर भऽ जाए तँ ओइमे नून मिलाएल जाए आ कठौतकेँ आगिपर सँ उतारि ओइमे एसिटिक एसिड मिलाउ। आब चौड़गर मुँहबला साफ बोतलमे भरि कए राखू। ऐ मे इच्छानुसार किशमिस आ छहोरा ऊपरसँ दऽ कऽ आरो जायकेदार बना सकै छी। एहेन खटमिट्ठीबला चटनी चाटैक वोस्त सर-कुटुम्बमे परसू आ यश लिअ। चटनी ताधैर टिकाउ अछि जाधैर आमील सुरक्षित रहत। आमक स्ववैश सेहो नीके होइछ। ❑

गाए गोंतसँ बनाउ फिनाइल आ हड़रचूर्ण

गोमुत्र फिनाइल

सामग्री- 850 ग्राम मिठनार जल (डिस्टील वाटर), 50 ग्राम नीमक करहा (काढ़ा), 100 ग्राम सोल्यूसन।

काढ़ा बनबैमे गोमुत्र- 1 लीटर, काँच नीम पत्ता- 200 ग्राम, दुनूकेँ इन्होर करैत 1/4 भाग रखैक अछि। फिनाइल बनेबा लेल एक दिन पहिने करहा तैयार राखू।

सोल्यूसन बनेबाक विधि :-

1 लीटर पाचन ऑलय, इमुलीसिफाया 100 ग्राम, सेल्टी 100 ग्राम (S.L.E.S.) करहा और सोल्यूसन बनि गेलाक बाद सोल्यूसनमे निमक करहा पातर धारमे दैतकाल गोलमोल धुमाउ। अही तरहे बादमे जल मिलाउ।

गोमुत्र हड़रे चूर्ण-

एसिडिटी, गैस बनब, अपच, पेट दरद, पाचन शक्ति बढ़ेबा लेल, कब्ज अम्ल- पितनाशक काज करै छइ। पहिले-पहिल छोट हरितीकी (हड़रे) 1 किलोग्रामकेँ 5 दिन धरि गोमूत्रमे लोहाक वासन वा स्टील वर्तनमे भिजाउ। सभ दिन गाइक गोंत बदलैत रहब। छठमा दिन अरण्डी तेल (कैस्ट्राल ऑयल) 100 ग्राम लोहियामे

ढारि कए मन्द-मन्द आँचपर छानल हड़रेकेँ भुजि लिअ। जखन रूख भऽ जाए तँ उतारि लअ। फुलल बिनु गिलगर भऽ जाएत। गाइक घीउ 40 ग्राममे 60 ग्राम हींग मन्द आँचपर सेकू। आब सेकल हड़रे (1 किग्रा.), भुजल हिंग (60 ग्रा.) 40 ग्राम जोहड़रे (छोट-छोट) 1 किलो पाउडर आ सेंघव नून 600 ग्रामकेँ फेंटू आ बारीक चूर्ण कुटि-पिस कऽ चालैनमे छानू। खलमे दऽ कऽ कनी-कनी लऽ कऽ खूब रगड़ू आ महीन भेला सन्ता गुणकारी होएत। जेतेक बेसी मेही होएत तेतेक बेसी लाभकारी होएत। असली हिंग रहत तँ बहुत नीक बौस बनत से जानू। ❑

को-ऑपरेटीवक विकास

प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति एकटा नींव थीक। ऐपर अल्प अवधि सहाकरी ऋण ढाँचाक ऊपर ढाँचा टिकल रहैत अछि। 31 मार्च 2005 धरि कुल 108779 समिति रहए जे 12.74 करोड़ सदस्यमे सँ 4.51 करोड़ सदस्यगण ऋण पौने छेलइ। अनुपातिक आधारपर एकटा (सहोरबा-हटनी प्रा.कृ. साख सहयोग समिति लि. पंचायत पैक्स नौआ बाखर) समितिक परिसीमनमे 5 टा गामक लगधक 1400 सदस्य वा ग्राहक बुझी, तेकरा कर्ज दऽ कऽ अपन सेवा उपलब्ध करबैत रहल। समिति (यथा घोघरडीहा को-ऑपरेटिव बैंक लि.) जेतए जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकसँ जुड़ल रहैत अछि, तेतए केन्द्रीय सहकारी बैंक (यथा- बिहारक दि रहिका सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि.) राज्य सहकारी बैंकसँ जुटल तँ अछिए। से तीन श्रेणी (टियर) केर व्यवस्थित 17 राज्यमे अपनाएल गेलै आ 13 राज्य आओर केन्द्रशासित प्रदेश दू (टियर) व्यवस्था अपनेलक हेन, कहबाक तात्पर्य सबुटा समितिक सीधे राज्य सरकारक बैंकसँ तार जोड़ले अछि। हिमाचल प्रदेश आ जम्मू-कश्मीरमे जेतए किछु समिति डीसीसीबी. सँ जुडल अछि तँ किछु सोझे राज्य सहकारी बैंकसँ जुड़ल छइ। राज्यमे सहकारी ऋण व्यवस्थाक कोनो भी रूप होइ, ओइ ढाँचाक वस्तुस्थिति ई अछि जे समिति आधार स्तरक संस्थाक रूपमे कार्यरत अछि, जे

अपन गहिंकी विशेष रूपे लघु सीमान्त किसान जे कि दूर-दराजक गाममे निवास करैत अछि, तिनकासँ धरि जुड़ल अछि। समिति सभ व्यक्तिगणक संस्था हेबाक बादो पैछला किछु समयसँ अपना बजारक हिस्सेदारी खोइ रहल छइ। तेकर कारण छै जे बेपारक बदलल स्वरूप आ दोसरसँ मिलैत तगरा प्रतिस्पर्धा। आन्ध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उड़िसा, पंजाब, राज्स्थान, तमिलनाडू, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, उत्तराखण्डकेँ थ्री टायर ढाँचा वा आधार कहल गेलै हेन। अण्डमान निकोवार द्विप समूह, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, चन्डीगढ़, दिल्ली, गोवा, मणिपुर, मेघालय मिजोरम, नागालैण्ड, पांडिचेरी, सिक्किम आ त्रिपुराकेँ द्विटियर ढाँचा कहल गेल अछि। एतए कोनो राज्यक जिलामे सहकारी बैंक नइ अछि।

जइ उत्साहसँ निर्वाचन कार्य देखल जाइछ जे लगैत अछि ग्राम पंचाययतक चुनाव भऽ रहलै हेन। परंच प्रबन्धन कार्य पाछू भऽ जाइत अछि। कार्यशील पूँजी आ अनुदान जे उपलब्ध रहैछ, तेकर निपुणता पूर्वक निर्वहन होइ, जइसँ आशामे रहनिहार सदस्यकेँ; कृषककेँ लाभ होइ। बहुतो पैक्समे शाखा बैंकक काम-काज चलैत अछि।

हटनी स्थित पैक्समे स्व. दुर्गानन्द मण्डल अध्यक्षक कार्यकालमे एक लाख राशि अग्रिम उठौल गेल स्टेशनरी मद्दमे, से हिसाब केतए छै?

श्री रंगलाल चौधरी जीक प्रथम कार्यकालमे पैक्सक ट्रेक्टरसँ कलम-बगीचा जोतैमे भाड़ा तँ छोड़ू जे डिजल जरल तेकरो हिसाब लेल 90 हजारक दू चेकसँ पूर्ति लेल तत्कालिन सदस्यगण प्रबन्धन समितिक बैसकमे प्रस्ताव पारीत करा चुकल छल, जे डी.आर.-सी.आर. ऑडीटर महोदयकेँ देखबाक होएत।

बहुतो सदस्यगण मृतक भऽ गेला, हुनको प्रतिभूति (शेयरमनि) जम्मा छइ। बैक वित्तीय स्थिति सुधार हेतु नव अध्यक्षकेँ चुनि कृषक आशान्वित छैथ, देखा चाही केतेक दूर धरि आर्थिक आजादीक दिशामे काज आगू बढ़ैत अछि। ऐ विषयपर फेरोसँ व्यापक बहस हेतु एकटा मंचक व्यवस्था सेहो भविष्यमे हुअए, ताकी एक-एक सदस्यकेँ सन्तुष्टी लाइक ओरियान हुअए। तँए नव गठित समिति पुराना समितिसँ चार्य लैत ऐ पैक्सकेँ आगू ऐ परोपट्टामे करैले लक्ष्य निर्धारण करए, से आश रहत।

समितिकेँ एक यथार्थपरक मार्गपर बढ़ैत रहए लेल 2-3 सालक काज निस्पादनक जानकारी एकत्रित कए सभपर विश्लेषण कएल जेबाक चाही।

ऐ विश्लेषणसँ समितिक योजना बनेबामे एकटा वास्तविक आधार भेटतैक जे समिति चालू वित्त वर्ष आ ऐगला दू सालमे की करए जा रहल अछि। तेकर लक्ष्य प्राप्तिमे चयनित समस्त सदस्यक सहभागिता रहए। जँ समितिकेँ अल्पकालीन सहकारी ऋण ढाँचाक सम्बन्धमे प्रोफेसर ए. बैद्यनाथन कमिटीक सिफारिश आ अभिमत शुरू भऽ जाइ तँ किछु सहज भऽ सकैत अछि। यथा-

सहकारी ऋण ढाँचाक बारेमे बैद्यनाथन कमिटी केर टिप्पणीक शारांश-

सहकारी ऋण व्यवस्थामे संचालन, प्रबन्धकीय आ वित्तीय स्तरपर खामी छइ। ऐ संस्थाक राजनीतिकरण अहीक संचालन काजकेँ प्रभावित केलक अछि।

समितिमे घाटाक असली वजह कमजोर प्रबन्धन आ संचालन रहलैक अछि। जाधैर ऐ मे सुधार नइ होएत ताधैर सहकारी संस्थाक

वास्तविक क्रिया-कलापमे बदलाव नहि होएत आ पूजीकरणक प्रयास व्यर्थ भऽ जाएत।

आजुक तारीखमे समितिपर दुष्प्रभाव लाधैवाली मुख्य त्रुटिमे- निदेशक मण्डलोक अतिक्रमण आ चुनाव करेबामे विलम्ब, मुख्य कार्यकारी (सी.ई.ओ.) कामन केडर प्रबन्धकीय परिचालनमे हस्तक्षेप, लेखा परीक्षणमे देरी, निम्नस्तरीय हाउस कीपिंग आ कमजोर प्रबन्धकीय सूचना प्रणाली (एम.आई.एस.) मिज्झर छइ।

ऐ त्रुटिसँ समितिक घाटामे बढ़ोत्तरी भेलइ। अही कारणेँ हमर ग्रामीण ग्राहककेँ समयसँ आ पूरा कर्ज देबाक क्षमता बड़ खराब रूपे प्रभावित भेलइ हेन। ऐ सँ समितिक मार्केट शेयर जे 1992-93 मे 62 प्रतिशत छल, 2002-2003 मे निघटि कऽ 34 प्रतिशत रहि गेलइ।

उत्तरोत्तर ऋण माफी योजनासँ चूककेँ निरंतरता भेटलैक, जइसँ समितिकेँ अति देय स्तरमे वृद्धि भेलैक अछि।

अद्यतन समितिपर आइ अभिज्ञान आओर अस्ती वर्गीकरण, मापदण्ड लागू नहि कएल गेल अछि आ ओइमे विकृति आस्ति लेल प्रावधानक पद्धति अछि। ❑

(टिप. पैक्स एकटा प्रजातांत्रिक संस्था थिक, अत: एकर नियमित बैसक होइत रहक चाही।)

प्रेरणा स्त्रोत व्यक्तित्व :

पं. दीनदयाल उपाध्याय

नाना पं. चुन्नी लालजीक घर राजस्थानक धनकियामे पण्डित दीनदयाल उपाध्यायक जन्म भेल छेलैन। 25 सितम्बर 1916 ई.क जन्म दिनपर पिता पं. भगवती प्रसाद उपाध्याय आ माता श्रीमती राम प्यारीजी अति हर्षित रहथिन। मूलत: भगवान कृष्णजीक पावण जन्मभूमि मथुरा जिलाक नगला चन्द्रयान नामक गामक रहएबला छेलैथ जे जलंसर स्टेशन रोडमे स्टेशन मास्टर रहैथ। दीनदयालजीक जन्मक दू सालक बाद छोट भाए शिव दयालक जन्म भेलैक। जहन दीनदयालजी अढ़ाइ बर्खक भेल रहैथ तँ एकटा दुर्घटनामे पिताकेँ श्राधक दिन कियो खीचरीमे माहुर धऽ देलकैक, ओही प्रकोपसँ नव रात्रिक चतुर्थीकेँ निधन भऽ गेलैक। तँए हुनक माए दुनू पुत्रकेँ अपना पिताक घर आनि कलमच रहए लगलखिन।

8 अगस्त 1924 इस्वीकेँ माए राम प्यारीक असामयिक निधन सेहो भऽ गेलैक। 8 सालक दीना आ साढ़े छह सालक शिव अनाथ भऽ माए-बाबूक सिनेहसँ सर्वथा वंचित भऽ गेल। दुनू भाँइ केर मामाक संरक्षणमे जीवन आगू बढ़िये रहल छल कि 18 नवम्बर 1934 केँ निमोनियाँ सँ छोट भाइक मृत्यु भऽ गेलैक। दीना एकलौता भऽ कऽ रहि गेला।

राजस्थानमे इन्टरमिडिएट धरिक पढ़ाइ कए कानपुरमे स्नातक धर्म कॉलेजसँ स्नातक केलैन। परास्नातक केर पढ़ाइ लेल आगराक सेन्ट जान्स कॉलेजमे प्रविष्ट भेला।

दीनदयालजी एकटा मेघावी विद्यार्थी रहैथ जे कतेको परीक्षामे सर्व प्रथम श्रेणीमे अबैत रहलाह। बहुतो बेर हुनका छात्र वृत्ति आ पारितोषिक भेटलैन। प्रान्तीय प्रशासनिक सेवा परीक्षामे प्रथम एलाक बादो हुनका नौकरी पसिन्न नहि रहैन। बी.टी. करए लेल प्रयाग चलि गेला।

छात्र जीवनमे दीनदयालजी संघ काजसँ जुड़ला। ताउम्र राष्ट्र हितमे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघक प्रचारक लेल जीवनदानी व्रतधारी बनलाह। 1942 मे उत्तर प्रदेशक लखिमपुर जिलाक प्रचारक आ 1945 मे सह-प्रान्त प्रचारक केर दायित्व अपना कान्हपर लेलैन। जनसंघ केर स्थापना काल श्रीगुरूजी, डॉ. मुखर्जीक आग्रहपर जइ स्वयंसेवक केर संगठनक भार देल गेलै से रहैथ पं. दीनदयालजी।

दिसम्बर 1952 केर कानपुर अधिवेशनमे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीजीक नजैरमे योग्यतम बेकती दीनदयालजी रहैथ, जिनक प्रतिभा, संगठन कौशल आ राजनीतिक सूझ-बूझक कारणेँ अखिल भारतीय महामंत्री घोषित कएल गेला। जेकर निर्वहन ओ 1967 ई. धरि केलैन। हुनक क्षमताकेँ देखि डॉ. मुखर्जी ईहो बाजल रहथिन जे 'जँ हमरा दूटा दीनदयाल एहने आरो भेट जाए तँ हम भारतक राजनीतिक नक्शा बदैल सकै छी।'

1967 क दिसम्बरमे आहूत कालीकट अधिवेशनमे ओ जनसंघक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनला। 11 फरबरी 1968 केँ मुगलसराय रेलवे टिशन लग रहस्यमय हालतमे एकटा लहास सभकेँ देख पड़लैक, कूतहूलवस चिन्हल गेल तँ ओ पार्थिव शरीर दीनदयालजीक रहैन..!

ऐ घटनासँ सम्पूर्ण देश स्तब्ध भऽ गेल।

पं. दीनदयाल उपाध्याय केर प्रयासकेँ डॉ. लोहियाजी बुझलैन, जहिक परीणाम रहए जे जनताकेँ 1967 मे कॉग्रेसक विकल्प भेटलैक। दीनदयालजी कार्यकर्त्ता निर्माणमे सदैव लागल रहला। एहेन प्रेरणा स्त्रोत व्यक्तित्वक प्रति सादर नमन..! ❑

प्रेरणा श्रोत व्यक्तित्व : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीक जन्म 6 जुलाई 1901 कैं कलकत्ता महानगरमे भेल छेलैन। ओ मात्र 52 सालक उमेरमे आखिरी सांस संदिग्ध परिस्थितिमे 23 जून 1953 ई.कैं श्रीनगर (कश्मीर) मे लेलैन।

बंगाल टाइगर केर नामसँ सुविख्यात महान शिक्षाविद् सर आशुतोष मुखर्जीक द्वितीय सुपुत्र डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अपन जीवनक आरम्भिक समय शिक्षाविद् आ वकील रूपमे शुरू केलैन। हुनक अग्रज रामा प्रसाद कानूनक क्षेत्रमे अपन नाम आगू बढ़ेलैन। हिनक मेघा प्रतिभाक झलक शैक्षणिक रिकॉर्ड यथा स्नातक आ स्नातकोत्तर परीक्षामे सर्वोच्च् स्थान कलकत्ता विश्व विद्यालयमे भेल रहैन। कलकत्ता हाईकोर्टमे इडियन वार केर सदस्य बनि कानूनक अध्ययन कएल आ आगू वैरिष्टर बनबाक लेल इग्लैण्ड गेला। ओतए इंगलिश वारक मेम्बर भऽ ब्रिटेन विश्वविद्यालयक कार्यप्रणालीक गहन अध्ययन केलैन। स्वदेश आबि कलकत्ता यूनिवरसीटीक सिंडिकेटमे 23 सालक सभसँ कम उमेरक युवा सदस्य रहैथ।

ओइ समय भारतमे 'द्वैद्धशासन प्रणाली'क अन्तर्गत प्रशासन चलैत रहइ। ऐमे शिक्षा 'स्थानान्तरित विषय' मे सँ एक छल, जे मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट 1919 द्वारा शुरू भेलैक। ई ऊपरी दृष्टिये स्थानान्तरित विष्ज्ञयक छल, परंच ऐ मे भारतीय केर लेल किछुटा नहि रहइ। ऐ मादे श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉग्रेस प्रत्याशीक रूपे विश्वविद्यालय चुनाव क्षेत्रसँ विधान परिषदमे 1929 कैं प्रवेश केलैन।

आओर तेकरा तुरंन्त बादे परिषदक वहिष्कारक निर्णय कएल। श्यामा प्रसादजी एहेन फैसलासँ असहमत भऽ विधान परिषदमे एक स्वतंत्र प्रत्याशीक रूपे आबए लेल अपना सीटसँ त्याग-पत्र दऽ देलैन। अपना जीवनकेँ तहीकाल ओ राजनीतिक अपेक्षा शिक्षाकेँ लऽ कऽ बेसी चर्चित छला।

हिनक युवावस्थामे शिक्षा लगावकेँ देख महान वैज्ञानिक प्रफूल्ल चन्द राय हुनका अपन पिताक पुत्र कहि देने छला। मात्रे 33 सालक अविश्वसनीय वहिक्रममे विश्वविद्यालयकेँ उपकुलपति बनि संचालन सन्दर्भमे नव प्राण फूकि देलैन। सन् 1934-38 धरि (दू सत्र) कुलपति रूपमे कार्यकाल पूरा कएल।

हिनक परिवारिक व्यक्तिगत त्रासदी हिनका हिला कए राखि देलक। हुनक जेठकी वहिन कमला विधबा भऽ गेली, तेकर पुर्नविवाह करेलैन, परंच ओ फेर विधबा भऽ गेली आ आखिर हुनक बहिनक निधन भऽ गेलैन। हुनका जीवनकेँ आलोकित केनिहार पिता सर आशुतोष मुखर्जी सेहो असमय 1924 ई.मे मात्र 60 बर्खक उमेरमे दिवंगत भऽ गेला। तैपर सँ 11 सालसँ देहक छाह सन संग निमाहैवाली प्रिय पत्नी सुधाजी सेहो संसारसँ चलि बसलीह। छोट-छोट चारि बच्चाक देख-रेख करैत विषम परिस्थिति रहितौ अपन सार्वजनिक जीवनक दायित्वकेँ निर्वहन कएल। हुनक भौजी तारा देवी आ जस्टिस भाइ रामा प्रसादजी नान्हिटा धिया-पुताकेँ थथमारलैन; जइसँ हिनका अत्यन्त सहयोग भेटलैन।

1935 मे ब्रिटिश संसद गवर्नमेन्ट ऑफ इंडिया एक्ट पारित कए भारतमे अधिक प्रतिनिधित्व दैत सभ प्रान्तमे एकटा चुनल सरकार बनेबामे प्रयुक्त रहए। ऐ केँ क्रियान्वयन एकटा ब्रिटिश गवर्नर केर कार्यकारी शासनक अन्तर्गत भारतीय तथा अंग्रेज अधिकारी द्वारा चलौल जेबाक रहए, जइमे भारतीय बेसी रहितो एकटा ब्रिटिश

षडयन्त्रक तहत भारतमे साम्प्रदायिक आधारपर आरक्षण (पृथक निर्वाचन क्षेत्र) तथा प्रतिनिधित्व केर कारणे साम्प्रदायिकता बढ़य लगलैक। मुहम्मद अली जिन्नाक नेतृत्वमे एकटा शक्तिशाली साम्प्रदायिक दल केर रूपमे मुसलीम लिंग उभैर कऽ आएल। तेकर बादो मुसलमानपर मुस्लिम लिंगक पकड़ बहुत मजगूत नहि छल। बंगालमे मुस्लिम लिग अधिकांश जमिन्दार आ मुस्लिमक किछु संख्या बले मध्यवर्ग आ मौलबी सभकेँ नेतृत्व करैत रहइ। बेसी मुस्लिम किसान अबुल कासीम फजलुल हक केर संग धरइ। तँए मुस्लिम नेतृत्वक तलाश हुअ लगल। जे कि हितक रक्षा कऽ स्वयं परिणाम स्वरूप हिन्दू समुदाय केर प्रमुख लोक, चिन्तक स्पष्ट रूपे देखलैन जे ऐ मंत्री मण्डलक अन्तर्गत बंगाली हिन्दू सबहक हित खतरामे छइ। अतएब सबहक नजैर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीपर पड़लैन, हुनका ऐ गपसँ मनाएल गेल जे सरस्वती देवीक मंडील छोड़ि ओ राजनीतिक उभड़ डगरपर आबए। ऐ तरहेँ शैक्षिक पार्थक्य' छोड़ि राजनीतिमे पूर्णत: सक्रिय भेला।

प्रेरित करएबला रहैथ- एन.सी.चटर्जी, आशुतोष लाहिड़ि, जस्टिस मन्मथ नाथ मुखर्जी तथा भारत सेवाश्रम संघ केर संस्थापक स्वामी प्रणवानन्द महराज।

शक्तिशाली कॉग्रेस बंगालमे हिन्दुक अधिकारपर मुखर भऽ बजैसँ हिचकैत रहल। मुस्लिम लिगक राजनीति दबाबमे घुटना टेक देलक। कम्युनिष्ट सेहो मुस्लिम लिगक समर्थन केलक। चुनावमे कोनो पार्टीक स्पष्ट बहुतमत नहि भेटने कृषक प्रजा पार्टीसँ समर्थन लैत, तेकरा खा गेलैक मुस्लिम लिग जे सरकार बनेलक आ 1940 मे लाहौर सम्मेलन करैत पाकिस्तान बनेबाक प्रस्ताव पारीत कएल। ओहीकाल ओइठाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघक अलगसँ एकटा सभा सेहो भेल। वीर साबरकर जी.अ. भारतीय हिन्दू महा सभाक कार्यकारी अध्यक्ष

नियुक्त करैत राष्ट्रीय नेताक रूपमे प्रतिष्ठापित करैत डॉ. मुखर्जीकेँ योग्यताक प्रशंसा केलैन।

सन् 1947 मे स्वतंत्र भारतक प्रथम मंत्री मण्डलमे हुनका उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री बनौल गेलइ। पूरे भारतमे ओ लोक प्रिय अद्भुत क्षमताक बले भऽ गेला। ऐ अतिसंक्षिप्त जीवनीमे सम्पूर्ण व्यक्तित्वक चर्चा करब सम्भव नहि होएत। भारतीय जनता पार्टीक अस्तित्व भारतीय जनसंघपर अधिष्ठित छइ। भारतकेँ अखण्डताक लेल ओ जीवनोत्सर्ग केलैन।

विस्तारसँ जनबाक लेल बलराज मेघोक, पोट्रेट ऑफ मार्हायर (1954), तथागत राय द लाइफ एण्ड टाइम्स ऑफ डॉ. मुखर्जी (2012 हिन्दी) आ प्रशांतो कुमार चटर्जी- श्यामा प्रसाद मुखर्जी एण्ड इंडियन पॉलिटिक्स (2010) अवश्य पढ़ी।

(नोट- मिथिलांचलमे जहिना सर अमरनाथ झा- गंगानाथ झा दुनू बापूत एकटा उदाहरण छला जे पुत्र पितासँ शासकीय चार्य देलैन, तहिना डॉ. मुखर्जी दुनू बापूत एकटा मिशाल छला जे पितासँ पुत्र शासकीय स्तरपर चार्य सिधे लेलैन)

हुनका शत्-शत्-नमन। ❑

आधुनिक किसान धरती माइक सेवा करू

भारतीय कृषक अपन खेतीक लागत मूल्यसँ दोबर लाभ उत्पादन करय, तइले देशक यशस्वी प्रधान मंत्री मा. नरेन्द्र मोदी जी कृषि प्रणालीमे अमूलचूल परिवर्त्तन होइले कृषि वैज्ञानिक सभकेँ उपाय ताकबाक आग्रह केने रहैथ। राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तरपर किसानकेँ सेमीनारमे रसायनिक खाद आ केमिकल्स केर निरन्तर प्रयोगसँ भारत वर्षक मातृभूमिक उर्वर क्षमता निघटि गेल, जमीन उसर-बंजर होइत उपजा घटैत गेल, तेकर विकल्प की हुअए, तैपर कृषक ग्रामीण क्षेत्रमे स्वयं कार्यशाला करी। पाठककेँ मोन पाड़ैत ई कहब द्वितीय विश्वयुद्धमे गोला-बारूदक सामग्री यथा- यूरिया (यूरिक एसिड) अमोनियम नाइट्रेट, डाई अमोनियम नाइट्रेट (डी.ए.पी.) तरहक आनो केमिकल्सकेँ निर्माण कए विदेशक राष्ट्रमे बहुत रास मात्रामे भण्डारन केलक आ तेकरा बनेबाक कारखानाक जनतब गरीबो देशमे दैत ओइ मशीन आ कल-पूर्जाकेँ बेच कए खुब कमेलक। ऐ मे देशक पैसा बाहर गेल से भारतमे सेहो यएह भेल। आब बहुत फैक्ट्रीक समान पार्ट-पूर्जा भारतमे कम्पनी स्वयं बनेबामे आत्मनिर्भर भेल अछि। केमिकल्स आ खाधक उपयोग करैसँ कृषकजन परहेज शुरूतातमे केने रहैथ, खादक बदलामे परमपरागत कम्पोस्ट राख (छाउर), माल-जालक गोबर-गोंत केर उपयोग कएल जाइत रहइ। हर-बरदसँ खेती होइमे बरदक मल-मुत्रसँ खेतमे उर्वरा शक्तिक

बढ़बाक काज होइत रहए से जगह आब ट्रेक्टर-पाबरटीलर लेने अछि, जइसँ इंधन (डीजल-मोबील) इंजनसँ चूबाठ भेलासँ खेत अक्रान्त होइत रहैत छइ। आब खेती बाड़ीमे रसे-रसे रसायनिक खादक मात्रा घटबैत फेरसँ कम्पोस्ट दिस घुमए पड़त। ऐ कम्पोस्टकेँ स्वयं बनेबाक तर्रदूत करए पड़त। रसायनिक अओर केमिकल्स खाद संसारक 58 टा देशमे उपयोग नहि कएल जाइछ, तेकर कहने छी जे प्रमुख कारण ऐ तरहेँ अछि-

(क) ऐ सँ खेतक मृदाशक्तिक नाश होइछ आ मित्र किटक सेहो मृत्यु होइत अछि।

(ख) केमिकल्स वा रसायन मानव आ पशुकेँ भोजनक संग पेटमे जाइछ जे सम्पूर्ण शरीरमे जा कए रोग उत्पन्न करैत छै; यथा- अल्सर, कम उमेरमे चेश्मा लगनाइ, नेत्रज्योति क्षीण होएब, एतए धरि जे कैंसर सदृश घातक रोग धरि भऽ जाइछ।

(ग) जमीनक उपज क्षमता नष्ट भेल जा रहल अछि, तैपर सँ अरियाक देखौंसकेँ गृहस्त आरो बेसी मात्रा प्रति कट्ठा खाध बढ़बैत चलि जाइ छैथ। कृषि जगतक जानल-मानल विशेषज्ञ आ वैज्ञानिक तथा उन्नती करैत प्रगतिशील किसान आब वायोकेमिक आ जैविक खाद दिस फिरला अछि, से शुभ संकेत छी। किसानकेँ बजार भाव रसायनिक उपजाकेँ बनसब्त एहिक प्रयोगसँ उत्पादित अन्न-फल आ तरकारीमे बेसिये भेटैत छै, तेकर कारण अछि जे खरीददार स्वयं जागरूक भेलै हेन आ सरकार सेहो जैविक विधि अपनेबाक लेल प्रोत्साहन केलैन अछि। धान, गहुम, मकई, मटर-मौसरी आदि दलहन आ तेलहनक संगे सभ तरहक फल-फूल-सब्जी आ औषधिये

जड़ी-बुटिक टिम्बर आदि पौधा-गाछ आ जजातकेँ विविध प्रयोगसँ लाभकारी बनौल जा सकैत अछि।

उन्नत कम्पोस्ट बनेबाक नव विधि अपनाऊ-

निम्नांकित तरीका अपना कए एक माहसँ 40 दिनक भीतर कम्पोस्ट पूर्ण रूपे तैयार भऽ जाइत अछि। कोनो समतल जगह वा फर्स पर 1 टन फसल केर अवशेष, घरेलू सब्जीक छोइलका, बसीयाहा भोजन, पशुक निंगहेस, घरक बाहरन-सोहरन गन्दगीसँ खेतक जिनगी बनै छइ। ऐ सभकेँ मिला कए एक फीट तह बिछाउ आ तैपर सँ टटका गोबर घोरि कए दियौ आ तैपर सँ व्यापक बहुलीकरण जे अपनेसँ 1 ड्राम वा टंक मे 200 लीटर जलमे 2 किलो गुड़ दऽ कऽ मिलाउ, हिलबैत रहू, दवाई गजियावाद निर्मित (Waste Decomposer- Rs 20) एक शिशी बिनु हाथसँ छुने, जे काठसँ लाड़ू-चाड़ू, मिलाऊ। सात दिन पूर्वक बनाएल ऐ घोलकेँ सभ तहे-तह दैत रहू। कृषि अपशिष्ट अपघटन (वेस्ट) केर आर्द्रता (नमी) 70 प्रतिशत बनल भीजेने रहू। सात दिनपर (4 बेर) उनटाबैत-पुनटाबैत रहू। ऐ घोलकेँ 200 लीटर एक एकड़ खेतमे ड्रिप सिंसाईसँ खेतमे देल जा सकै छइ। ऐ तैयार वेस्ट डिकम्पोजर घोलकेँ समान रूपे सभ तरहक बीआपर छींट कए उपचारित कए सकै छी। उपचारित बीजकेँ आधा घन्टा छाँहमे सुखा लिअ; बुआइ करै-जोकर फरहर भऽ जाएत।

साँढ़-पारा आ आन पशुसँ फसल बँचेबाक लेल आ किट व्याधिक प्रकोपसँ बँचेबाक लेल ऐ घोलकेँ सात दिनपर स्प्रे करैत रहू। एक बोतलसँ 30 दिनमे 1 लाख मैट्रिक टन जैब उपशिष्टकेँ अपघटित कए कऽ तैयार खुद कए सकै छी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र स्थापित कए कृषकमे नव चेतना लेल जागरूकता बढ़ाबैमे लागल अछि। हमरो जनतब कोसी वेल्टक आदर्श पंचायत- अमहीक मैनही गाममे भाजपा.क सांसद

वीरेन्द्र कुमार चौधरी जीक प्रयाससँ ऐ मादे डॉ. कृष्ण मुरारी (निदेशक) सँ प्रशिक्षण भेटल आ भेँटवार्ता सेहो भेल रहए।

किसानक आमदनी दुगुणी होइ लेल सुझाव- फसिलक उत्पादकता आ उत्पादन दूगुणा तथापि अधिक उपजसँ बेसी दाम भेटत। समयसँ फसिलक बौग हुअए। उच्च गुणवताबला शंकर बीआ आ हाईब्रीडक (उपचारित) प्रयोग हुअए। बेसी उपजशील प्रभेदक सरकारी स्तरपर मुहैया कएल गेल बीआ आत्मा. प्रखण्ड कृषि विभाग वा किसान उत्पादक समूह एवं कृषक हित समूहसँ प्रसंस्करण कएल बीज प्रमाणिक रूपे खरीद कए उचित मात्रामे व्यवहार करू। फसल बीमा आ इनपुट अनुदानक समयसँ लाभ उठाउ। कार्यशील पूंजी लेल महाजनीसँ त्राण पाबैले केसीसी. लिअ। कृषि प्रौद्योगिकी प्रवन्ध अभिकरण केर खरीफ, रबि आ गरमा मौसमक बैसकमे जा कए अनुभव प्राप्त करियौक। किसान विभूषण आ आनो सम्मानसँ सम्मानित कृषकक अनुभव सुनि ताहि केर अनुकरण करबाक मार्ग अपनाऊ। सस्ता विद्युत सिंचाई योजनाक लाभ उठाऊ। जलवायु परिवर्त्तनकेँ देखैत काज करू। बाढ़ि-सुखार आ हेल स्टॉर्म केर घटित भेलासन्ता जे गति तोरा- से गति मोरा, रामा हो रामा!! ❑

वंशावली (संगे वैवाहिक स्थल)

ग्राम- हटनी (धुतराहा) गोत्र- काश्यप, मैथिल कियोट (केवट- कैवर्त्त)

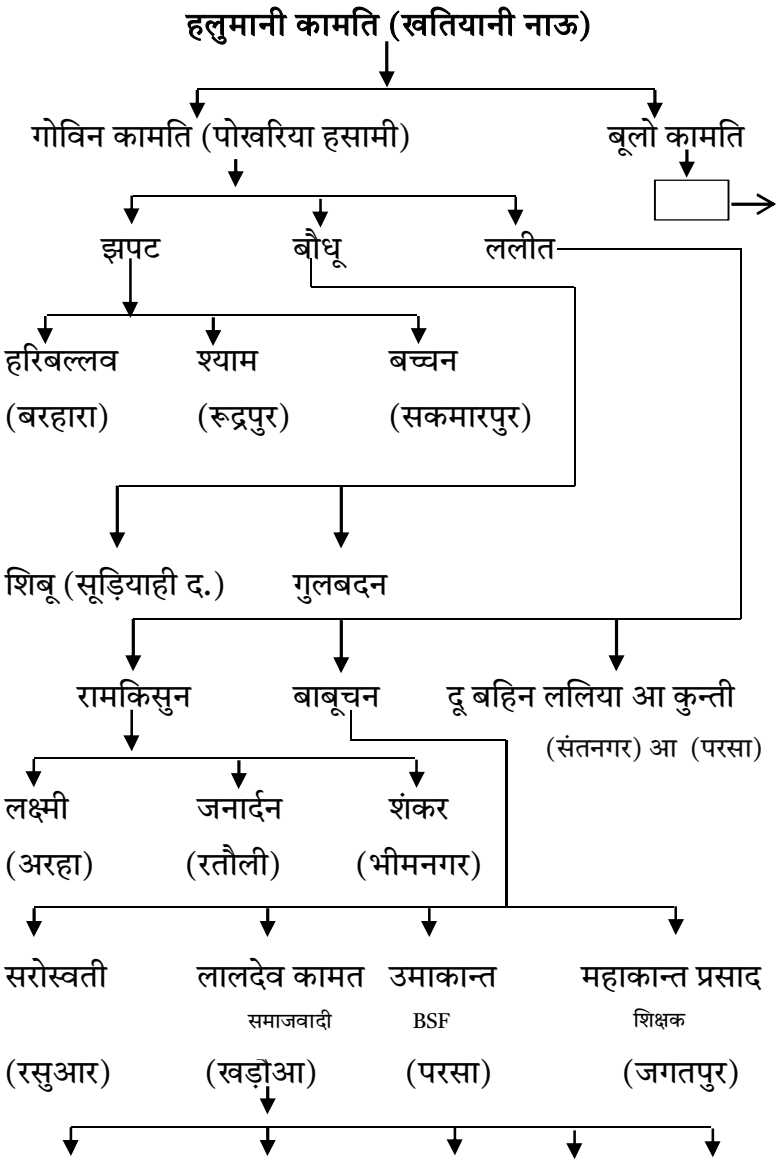

सुभाष कुमार कैलाश कुमार आकाश लवकुश प्रीति

शुभकामनाक संग-

दिनांक 17.12.2019 कैं सम्पन्न नौआबाखर पैक्स चुनाव हटनी मतदान केन्द्र सं. 5, क, ख मे मतगणना (घोघरडीहा टीचर ट्रेनिंग स्कूल-छात्रावास) मध्य रात्रि प्राप्त आँकड़ा सं.

समर्थित	**अभ्यर्थी**	**प्राप्त मत**	**चुनाव-चिन्ह**
बजरंग दल	शैलेन्द्र कुमार सतीस	293	ईंट
भाजयुमो.			
जद. (एकिकृत)	अब्दुल जलील	237	माला
बीजेपी.	लालदेव कामत		
	(अनुभवी उम्मीदवार)	148	किताब
सपा/बसपा.	सीता देवी	86	पुल
कॉग्रेस-राजद.	निकलू अमरनाथ झा	79	ब्लैकवोर्ड
अनभिज्ञ मतदाता	नोटा अनुकृति	79	रद्द

पुस्तिका प्राप्ति हेतु सम्पर्क सूत्र (ग्राम पंचायत परिवार)

श्री रंजीत मण्डल- सहोरबा
श्री बासुकि कामत- धावघाट
श्री सीरीलाल राम- धनपतबरही
श्री योगेन्द्र ठाकुर- नौआबाखर
श्रीमती जीबछी देवी- हटनी

काव्य

फूल भी चुमने लगे हैं खार बनकर
जो अजीज ठहरे उभरे गद्दार बनकर
रावण को गर्व हुआ अपने विभिषण पर
वो शत्रुओ से मिला सलाहकार बनकर
पार्टी बदलनी तो है फितरत में शामील
बस रह गयी जनता लाचार बनकर
मेरी हर बातों पर रखी गयी पैनी नजर
और उछाला गया ताजा समाचार बनकर
बड़ा ही इतराता ये इतवार का दिन
फिर नखरे दिखाता सोम बार बनकर
जिसके सामने रख दी सारी तिजौरियाँ
वही पीठ पर वार करता यार बनकर
झुकाया गया मुझे अपनों के नजरों में
बस ये जिंदगी रह गई त्योहार बनकर।

❑